॥ श्रीहरिः॥

135

महर्षि पतञ्जलिकृत

योग-दर्शन

हिन्दी-व्याख्यासहित

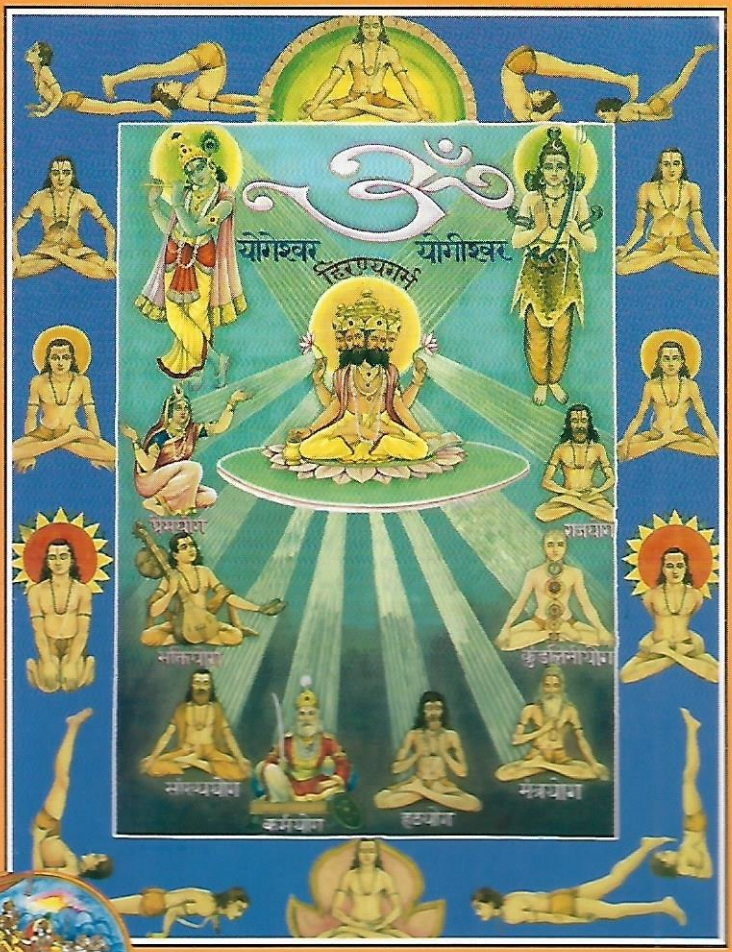

गीताप्रेस, गोरखपुर

ॐ

पातञ्जलयोगदर्शन

(साधारण हिंदी-व्याख्यासहित)

Department of Yoga
Univ. RU
No/PGDY/.....449.........
* Library *

त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देवदेव॥

Doanted by
PG department of Yoga
Batch 2018-20

टीकाकार—हरिकृष्णदास गोयन्दका

ॐ श्रीपरमात्मने नमः

पातञ्जलयोगदर्शनके प्रधान विषयोंकी सूची

समाधिपाद—१

सूत्र	विषय	पृष्ठ
१—४	ग्रन्थके आरम्भकी प्रतिज्ञा, योगके लक्षण और उसकी आवश्यकताका प्रतिपादन	... ११-१२
५—११	चित्तकी वृत्तियोंके पाँच भेद और उनके लक्षण	... १२—८८
१२—१६	अभ्यास और वैराग्यका प्रकरण	... १८—२०
१७—२२	समाधिका विषय	... २१—२५
२३—२९	ईश्वर-प्रणिधान और उसके फलका कथन	... २५—२८
३०—४०	चित्तके विक्षेपोंका, उनके नाशका और मनकी स्थितिके लिये भिन्न-भिन्न उपायोंका वर्णन	... ३८—३४
४१—५१	समाधिके फलसहित अवान्तर भेदोंका वर्णन	... ३४—४२

साधनपाद—२

१-२	क्रियायोगके स्वरूपका और फलका निरूपण	... ४३-४४
३—९	अविद्यादि पाँच क्लेशोंका वर्णन	... ४४—४९
१०—१७	क्लेशोंके नाशका उपाय और उसकी आवश्यकताका प्रतिपादन	... ५०—५५
१८—२२	दृश्य और द्रष्टाके स्वरूपका तथा दृश्यकी सार्थकताका कथन	... ५५—५९
२३—२७	प्रकृति-पुरुषके अविद्याकृत संयोगका स्वरूप और उसके नाशके उपायभूत अविचल विवेक-ज्ञानका निरूपण	... ५९—६२
२८—५५	विवेकज्ञानकी प्राप्तिके लिये अष्टांगयोगके अनुष्ठानकी आवश्यकता, आठों अंगोंके नाम तथा उनमेंसे पाँच बाह्य अंगोंके लक्षण और उनके विभिन्न अवान्तर फलोंका वर्णन	... ६२—७८

सूत्र	विषय	पृष्ठ
	विभूतिपाद—३	
१—३	धारणा, ध्यान और समाधि—इन तीनों अंगोंके स्वरूपका प्रतिपादन	... ७९-८०
४—८	निर्बीज-समाधिके बहिरंग साधनरूप संयमका निरूपण	... ८०—८२
९—१२	चित्तके परिणामोंका विषय	... ८२—८४
१३—१५	प्रकृतिजनित समस्त पदार्थोंके परिणामका निरूपण	... ८४—८९
१६—४८	फलसहित भिन्न-भिन्न संयमोंका वर्णन	... ८९—१०९
४९—५५	विवेकज्ञानका और उसके परम फलस्वरूप कैवल्यका निरूपण	... १—११४
	कैवल्यपाद—४	
१—५	सिद्धियोंकी प्राप्तिके पाँच हेतुओंका तथा जात्यन्तर परिणामका विषय	...११५—११८
६-७	ध्यानजनित परिणामका संस्कारशून्यता (निराशयता)-का प्रतिपादन और योगीके कर्मोंकी महिमा	...११८—११९
८—११	साधारण मनुष्योंकी कर्मफल-प्राप्तिके प्रकारका वर्णन	...११९—१२२
१२—२४	अपने सिद्धान्तका युक्तिपूर्ण प्रतिपादन	...१२२—१३०
२५—३४	विवेकज्ञानका विषय और धर्ममेघ समाधि तथा कैवल्य-अवस्थाका निरूपण	...१३०—१३५

'गीताप्रेस' गोरखपुरकी निजी दूकानें तथा स्टेशन-स्टाल

डाकद्वारा एवं विदेशोंमें पुस्तकें भेजनेकी व्यवस्था केवल गोरखपुरमें है।

gitapressbookshop.in से गीताप्रेस प्रकाशन online खरीदें।

इन्दौर-452001	जी० 5, श्रीवर्धन, 4 आर. एन. टी. मार्ग	(0731) 2526516, 2511977
ऋषिकेश-249304	गीताभवन, पो० स्वर्गाश्रम	(0135) 2430122, 2432792
कटक-753009	भरतिया टावर्स, बादाम बाड़ी	(0671) 2335481
कानपुर-208001	24/55, बिरहाना रोड	फोन/फैक्स (0512) 2352351
कोयम्बटूर-641018	गीताप्रेस मेंशन, 8/1 एम, रेसकोर्स	(0422) 3202521
कोलकाता-700007	गोबिन्दभवन; 151, महात्मा गाँधी रोड	(033) 40605293, 22680251
गोरखपुर-273005	गीताप्रेस—पो० गीताप्रेस	(0551) 2334721, 2331250, फैक्स 2336997
चेन्नई-600010	इलेक्ट्रो हाउस, रामनाथन स्ट्रीट किलपौक	(044) 26615959 ; फैक्स 26615909
जलगाँव-425001	7, भीमसिंह मार्केट, रेलवे स्टेशनके पास	(0257) 2226393 ; फैक्स 2220320
दिल्ली-110006	2609, नयी सड़क	(011) 23269678; फैक्स 23259140
नागपुर-440002	श्रीजी कृपा कॉम्प्लेक्स, 851, न्यू इतवारी रोड	(0712) 2734354
पटना-800004	अशोकराजपथ, महिला अस्पतालके सामने	(0612) 2300325
बेंगलुरु-560027	7/3, सेकेण्ड क्रास, लालबाग रोड	(080) 65636566
भीलवाड़ा-311001	जी 7, आकार टावर, सी ब्लाक, गान्धीनगर	(01482) 248330
मुम्बई-400002	282, सामलदास गाँधी मार्ग (प्रिन्सेस स्ट्रीट)	(022) 22030717
राँची-834001	कार्ट सराय रोड, अपर बाजार, बिड़ला गद्दीके प्रथम तलपर	(0651) 2210685
रायपुर-492009	मित्तल कॉम्प्लेक्स, गंजपारा, तेलघानी चौक (छत्तीसगढ़)	(0771) 4034430
वाराणसी-221001	59/9, नीचीबाग	(0542) 2413551
सूरत-395001	2016 वैभव एपार्टमेन्ट, भटार रोड	(0261) 2237362, 2238065
हरिद्वार-249401	सब्जीमण्डी, मोतीबाजार	(01334) 222657
हैदराबाद-500095	41, 4-4-1, दिलशाद प्लाजा, सुल्तान बाजार	(040) 24758311, 66758311
काठमाडौं (नेपाल)	पसल नं० 6,7,8, माधवराज सुमार्गी स्मृति भवन, वनकाली, पशुपति क्षेत्र। e-mail : gitapress.nepal@gmail.com मोबाइल : 9823490038	

स्टेशन-स्टाल— दिल्ली (प्लेटफार्म नं० 5-6); **नयी दिल्ली** (नं० 14-15); **हजरत निजामुद्दीन** [दिल्ली] (नं० 4-5); **कोटा** [राजस्थान] (नं० 1); **बीकानेर** (नं० 1); **गोरखपुर** (नं० 1); **गोण्डा** (नं० 1); **लखनऊ** [एन० ई० रेलवे]; **कानपुर** (नं० 1); **वाराणसी** (नं० 4-5); **मुगलसराय** (नं० 3-4); **हरिद्वार** (नं० 1); **पटना** (मुख्य प्रवेशद्वार); **राँची** (नं० 1); **धनबाद** (नं० 2-3); **मुजफ्फरपुर** (नं० 1); **समस्तीपुर** (नं० 2); **छपरा** (नं० 1); **सीवान** (नं० 1); **हावड़ा** (नं० 5 तथा 18 दोनोंपर); **कोलकाता** (नं० 1); **सियालदा मेन** (नं० 8); **आसनसोल** (नं० 5); **कटक** (नं० 1); **भुवनेश्वर** (नं० 1); **अहमदाबाद** (नं० 2-3); **राजकोट** (नं० 1); **जामनगर** (नं० 1); **भरुच** (नं० 4-5); **वडोदरा** (नं० 4-5); **इन्दौर** (नं० 5); **जबलपुर** (नं० 6); **औरंगाबाद** [महाराष्ट्र] (नं० 1); **गोंदिया** [महाराष्ट्र] (नं० 1); **सिकन्दराबाद** [आं० प्र०] (नं० 1); **विजयवाड़ा** (नं० 6); **गुवाहाटी** (नं० 1); **खड़गपुर** (नं० 1-2); **रायपुर** [छत्तीसगढ़] (नं० 1); **बेंगलुरु** (नं० 1); **यशवन्तपुर** (नं० 6); **हुबली** (नं० 1-2); **श्री सत्यसाईं प्रशान्ति निलयम्** [दक्षिण-मध्य रेलवे] (नं० 1)।

फुटकर पुस्तक-दूकानें— **चूरू**-ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, पुरानी सड़क, **ऋषिकेश**-मुनिकी रेती; **बेरहामपुर**-म्युनिसिपल मार्केट काम्प्लेक्स, के० एन० रोड, **नडियाड** (गुजरात) संतराम मन्दिर; **चेन्नई**-12, अभिरामी माल, पुरासावलकम, निकट किलपौक/वेपेरी।

Code 135